an>

Title: Need to expedite procurement of paddy in Shrawasti and Balrampur districts of Uttar Pradesh.

श्री दद्दन मिश्रा (श्रावस्ती) : महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे उत्तर प्रदेश के किसानों की महत्वपूर्ण समस्या को सदन में उठाने का अवसर प्रदान किया। किसानों का हितैषी बताने वाली उत्तर प्रदेश की सरकार जब से सत्ता में आयी है, वह निरंतर किसानों की उपेक्षा करती जा रही है। उनको बुआई के समय खाद और बीज उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। आज जब किसान ने अपना खून-पसीना बहाकर धान की फसल तैयार की है, तो उत्तर प्रदेश में धान क्रय-केंद्र संचालित नहीं हो रहे हैं। इसकी वजह से किसान अपनी फसल औने-पौने दामों पर बेचने के लिए मजबूर हैं।

महोदय, मैं अपने संसदीय क्षेत्र की तरफ ध्यान दिलाना चाहता हूं। मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत बलरामपुर और श्रावस्ती दो जिले हैं। वहां पर धान की खरीद का एक लक्ष्य निर्धारित किया गया था। श्रावस्ती में 22 हजार मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके अगेनस्ट अभी तक मात्र 60 मीट्रिक टन धान की खरीद हो पाई है और बलरामपुर में 28 हजार मीट्रिक टन धान की खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके अगेनस्ट मात्र 30 मीट्रिक टन धान की खरीद हो पाई है।

मान्यवर, किसान अपना धान किसान केन्द्रों पर ले कर जाते हैं, उसको दागी बताकर धान वापस कर दिया जाता है, उसका कारण मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं। विगत में ओड़िशा और आंध्रप्रदेश में आए हुदहुद तूफान का काफी असर पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी दिखाई पड़ा था। हुदहुद तूफान के दिनों में काफी तेज हवाएं चली थीं जिसके वजह से धान की पकी फसल जो तैयार खड़ी थी, वह गिर गई थी, जिसकी वजह से धान दागी हो गया है और केन्द्रों पर उसको दागी बताकर वापस किया जा रहा है। आज हमारी जानकारी में आया है कि भारतीय खाद्य निगम की कोई टीम पूर्वी उत्तर प्रदेश के दागी धान का सैंपलिंग करने के लिए गई हुई है। मैं सदन के माध्यम से मांग करता हूं कि अभी तक मात्र 4 परसेंट की छूट प्रदान की जाती थी, उसको बढ़ाया जाए, चूंकि हुदहुद तूफान की वजह से धान काफी मात्रा में दागी हो गई है। इसलिए खासतौर से पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए छूट की मात्रा बढ़ाई जाए। किसानों को समर्थन मूल्य 1360 रुपए निर्धारिए किए गए थे, उसे पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसान भी पा सकें। धन्यवाद।